

# VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS  
M N 11 SEP 2022 No. 3  
RECEIVED

## GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1837)

Name of Candidate	MANISHA		
Medium Hindi/Eng.	HINDI	Registration Number	627862
Center	Delhi	Date	11/09/2022

### INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6(a)	10	
6(b)	10	
6(c)	10	
7	20	
8	20	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

Signature of Examiner

### INSTRUCTIONS

- Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).  
उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न-पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
- There are **TWELVE** questions printed in **ENGLISH & HINDI** इसमें बारह प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
- All questions are compulsory.**  
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- The number of marks carried by a question/part is indicated against it.  
प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
- Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.  
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
- Word limit in questions, if specified, should be adhered to.  
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
- Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.  
उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

16-B, 2<sup>nd</sup> Floor, Above National Trust Building, Bada Bazar Marg, Old Rajinder Nagar, Delhi-110060

Plot No. 857, 1st Floor, Banda Bahadur Marg (Opp Punjab & Sindh Bank), Dr. Mukherjee Nagar  
Delhi- 110009

# EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

## SECTION - A

1. (a) Explain why altruism constitutes one of the core values in public life. In this regard, suggest some measures to foster altruistic behaviour in public services. (150 words) 10

स्पष्ट कीजिए कि परोपकारिता सार्वजनिक जीवन में प्रमुख मूल्यों में से एक क्यों है। इस संबंध में लोक सेवाओं में परोपकारी व्यवहार को बढ़ावा देने के लिए कुछ उपायों का सुझाव दीजिए।

परोपकार से आशय दूसरों की भलाई करने की भावना से है। परोपकारिता किसी भी खिन्न संदर्भ की एक महत्वपूर्ण विशेषता है जिसे नोलन टॉमिटी के द्वारा भी अंगुशांकित किया गया है। परोपकारिता का महत्व :-

→ समाज के वंचित वर्ग के प्रति करुणा की भावना का विकास

→ वंचित व जोड़ित वर्ग के उत्थान में शक्ति

→ सामाजिकी विकास को बढ़ावा

→ आर्थिक व सामाजिक अरुणता में रूची

# लोक सेवा में परोपकारिता बढ़ाने के उपाय :-

① प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न संदर्भों

कोई संबंधी ज्ञान प्रदान करना।

→ विभिन्न संस्थाओं व प्रजातियों संबंधी अध्ययन को बढ़ाए

→ राष्ट्रवादी नेताओं द्वारा लिखित साहित्य के अध्ययन द्वारा

→ श्रमिका विवेक

→ प्रारंभिक के दौरान कृषि, सहायक आदि गुणों के विकास पर ध्यान

भारत में 22% आबादी गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन कर रही है। उनके उत्थान हेतु सिविल सेवाओं में पर्याप्तता का विकास एक महत्वपूर्ण कदम है।

1. (b) Certain actions can be right even though they do not maximize good consequences, for the rightness of such actions consists in their representing certain norms. Discuss with examples. (150 words) 10

कुछ कार्य सही हो सकते हैं, भले ही वे अच्छे परिणामों को अधिकतम न करें, क्योंकि ऐसे कार्यों का औचित्य उनमें शामिल कुछ मानदंडों में निहित होते हैं। उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिए।

कुछ कार्य सही हो सकते हैं भले ही वे अच्छे परिणामों को अधिकतम न करें जैसे- एक कार्याकारी द्वारा सड़क पर सखी कतिप्रमण को हटाने का आदेश प्राप्त होना। जिसमें एक बूढ़ा महिला भी शामिल है। जो पूरी तरह से जीवनयापन हेतु सड़की बचन पर निर्भर है।

इस परिस्थिति में कार्याकारी की बरिवाई-

- सखी कतिप्रमण को सड़क से हटाना तथा बूढ़ा महिला हेतु अलग से स्थान प्रदान करना

- यह कार्य पूर्ण तरीके से आदेश के अनुरूप में नहीं है लेकिन मानवीय रूप से पूर्णतः सही है।

# इस कार्य में निम्न मानदंड शामिल -

- बरिबकी से प्राप्त आदेश का कार्यन्ययन

→ नीतिगत द करण के आधार पर  
पूरे महिला से विशेष व्यवहार

→ यह प्रशासनिक जीवन में भी नीतिगत  
मूल्यों के पालन का उदाहरण है। जिसमें  
राष्ट्रपति को महत्व प्रदान किया गया  
है।

भारत में समावेशी विकास को बढ़ाते हेतु  
31.1. कच्चा को कुपाया के अंत से वास्तव  
विकास आवश्यक है। जिसके लिए ऊपर  
कार्रवाई व राष्ट्रपति को आवश्यक है।

2. (a) With the help of appropriate examples, discuss the ethical challenges involved in policing in India. Also, highlight the reasons behind corruption in the police force. (150 words) 10

उपयुक्त उदाहरणों की सहायता से भारत में पुलिसिंग (पुलिस व्यवस्था) में शामिल नैतिक चुनौतियों पर चर्चा कीजिए। साथ ही, पुलिस बल में व्याप्त भ्रष्टाचार के कारणों पर प्रकाश डालिए।

भ्रष्टाचार द्वारा जारी हुए रिपोर्टों के अनुसार भारत की पुलिस व्यवस्था को इंटे-पैसिफिक क्षेत्र में सबसे भ्रष्ट पाया गया है। तथा तकनीक के अनुसार भी भारतीय पुलिस का आधुनिकीकरण निम्नस्तरीय है। इन्हीं मुद्दों के साथ कुछ नैतिक मुद्दों का समाधान भी पुलिस द्वारा किया जाता है। जैसे—

- पदीय कर्तव्य काम वरिष्ठों के निर्देश
- पदीय कर्तव्य काम राजनीतिक दबाव
- सार्वजनिक काम राजनीतिकों की प्रसन्न करना
- कैदियों व अपराधीयों के साथ अमानवीय व्यवहार
- भ्रष्टाचार व लाभ से प्रभावित होना

# पुरलिया में व्याप्त भ्रष्टाचार के कारण-

- ① एतिहासिक विरासत - ब्रिटिशों के दौरान  
भ्रष्टाचार की शैली का विकास
- ② आर्थिक समानता व भौतिकतावाद की संस्कृति
- ③ राजनीतिक दबाव में लाभ स्वीकार करना
- ④ ईमानदारी को समाज 'अव्यावहारिक व सक्की'  
के रूप में देखना

# उपाय :- भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 का  
प्रभावी निपटारा

→ प्राशिक्षण के दौरान नैतिक शक्तों  
के विकास पर ध्यान



2. (b) A right combination of spirit and structure is integral to ethical corporate governance. Discuss. (150 words) 10

भावना और संरचना का सही संयोजन नैतिक कॉर्पोरेट गवर्नेंस का अभिन्न अंग होता है। चर्चा कीजिए।

नैतिक कॉर्पोरेट गवर्नेंस से आशय कॉर्पोरेट शासन में नैतिकता का प्रयोग। इसके तहत सही व गलत प्रभावों के आधार पर निर्णयों को लिया जाता है। इसके तहत निम्न तत्व शामिल होते हैं -

(1) सभी निर्देशनों के दिनों को ध्यान में रखना

(2) नकारात्मक प्रभाव वाले निर्णयों में शोधकार्यों की सहायता प्राप्त

(3) उचित लेखा परीक्षा रिपोर्ट

(4) नैतिक मूल्य संदिग्धता के आधार पर शासन का संचालन करना

# भावना व संरचना का महत्व :-

1) भावना :- नैतिक कॉर्पोरेट शासन हेतु सकारात्मक भावनाओं का होना आवश्यक है क्योंकि सभी सभी के दिनों व कंपनी पर सकारात्मक प्रभाव

बाले निर्णयों को लिखा जा सकता है जैसे  
सभी। निर्णयों में कंपनी के सभी उद्योगों  
व ग्राहकों पर पड़ने वाले प्रभावों का आकलन  
करना। साथ ही पर्यावरण प्रभाव पर भी  
पर्याप्त ध्यान दिया जाना।

2) संवेदन - सभी दृष्टिकोणों को प्राथमिकता तय  
करना। जैसे महिला, डॉक्टरों की  
सभी विकासकारकों को समावेशित  
करने की कोशिश करना तथा सभी  
की विचारों को सुनना

सर्वप्रथम भारत अंतर्राष्ट्रीय कॉर्पोरेशन  
का प्रभाव था जिसने 'सर्वप्रथम' का देश  
के आर्थिक विकास को प्रभावित किया। अंतर्राष्ट्रीय  
कॉर्पोरेशन में नैतिकता का समावेश  
आवश्यक है।

3. (a) It is not only public servants, but also the common citizens who play a key role in institutionalising high standards of ethical conduct and good governance. Elaborate. (150 words) 10

न केवल लोक सेवक, बल्कि आम नागरिक भी नैतिक आचरण और सुशासन के उच्च मानकों को संस्थागत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सविस्तार वर्णन कीजिए।

सुशासन व नैतिक आचरण को पढ़ाका देने में लोक सेवकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है लेकिन आम नागरिक के महत्व को गवारा नहीं जा रहा है। पैस-दाल में ग्रेघातप द्वारा सोशल कॉन्ट्रि को कारगर किया गया है जो सुशासन की स्थापना में महत्वपूर्ण रुकम है। ऐसी प्रभावित लोगों की भागीदारी पर निर्भर करती है।

# सुशासन की स्थापना में नागरिकों की शक्ति -

1) सरकारी निर्देशों को बेहतर तरीके से पालन पैस-परिवहन मामलों का पालन

2) शांति के प्रावधानों का सम्मान तथा कठिन के पालन के प्रति निष्ठा

3) सरकारी पालन में गलत वास्तु में कराना, लक्ष्य  $\rightarrow$  राजस्व धारण रुक  $\rightarrow$  सही लाभांश को लाभ मिलेगा

→ सांप्रदायिकता जैसी गतिविधियों को दूरस्थित करके।

→ विज्ञानकारी गतिविधि जैसे- नक्सलवाद के आतंकवाद के विरुद्ध संघर्ष में सरकार की सहायता करके।

लोग किसी भी देश का वास्तविक धन होते हैं तथा उनकी जागरूकता व राष्ट्र के प्रति कर्तव्यनिष्ठा को प्रोत्साहित कर देना के आर्थिक विकास को बढ़ावा दिया जा सकता है तथा भारत को वैश्वीय शक्ति बनाने का लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है।

3. (b) Public administration in India suffers from the 'working-in-silos' culture. In this context, discuss the importance of cooperation, coordination and collaboration for efficient governance. (150 words) 10

भारत में लोक प्रशासन 'एकाकी कार्य' संस्कृति ('वर्किंग-इन-साइलो' कल्चर) से ग्रस्त है। इस संदर्भ में, कुशल गवर्नेंस के लिए सहयोग, समन्वय और सहभागिता के महत्व पर चर्चा कीजिए।

भारतीय लोक प्रशासन में 'एवारी बाघ' की संस्कृति पाई जाती है। जिसके तहत अपने अधीनस्थों से सहयोग व समन्वय स्थापित करने की कोशिश नहीं की जाती है। जिसका प्रभाव समग्र प्रशासन की दक्षता में कमी के रूप में देखा जाता है।

कारण :- औपनिवेशिक प्रवृत्ति की विद्यमानता

- जमीनी स्तर पर पुराने नष्ट
- लालफीतारवादी मनोवृत्ति
- अधीनस्थों के प्रति नकारात्मक भावना की विद्यमानता

# कुशल गवर्नेंस में सहयोग, समन्वय व सहभागिता का महत्व :-

→ आकांक्षी जिला कार्यक्रम की सफलता का कारण केंद्र, राज्य व स्थानीय स्तर पर सहयोग व समन्वय की भावना

का होना है।

→ सदस्योक्त से दीर्घ भावना में शक्ति होती है जो कार्य के प्रति प्रभाव बढ़ाती है

→ सदस्य से सभी की क्षमताओं का प्रयोग

→ सभी के ज्ञान व अनुभव के माध्यम से लक्ष्य की प्राप्ति

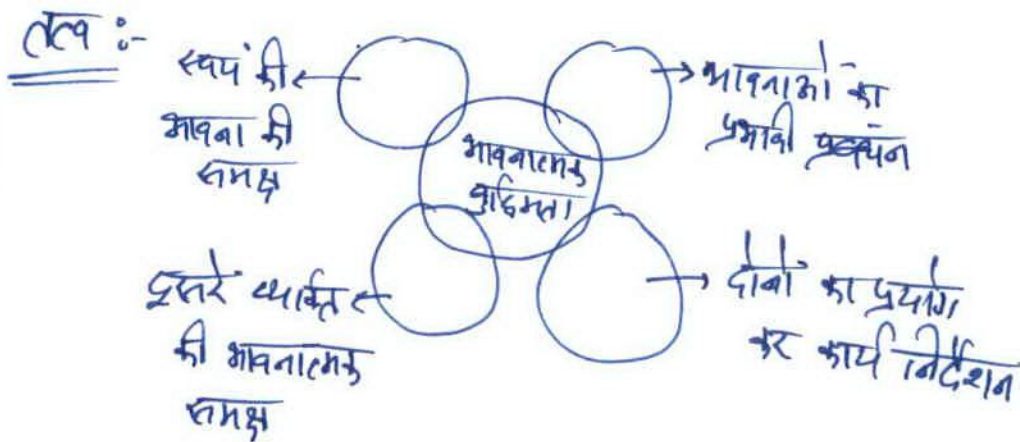
→ सदस्योक्त से कार्यकारी व कर्मचारी मनोवृत्ति में कमी तथा लक्ष्य हेतु प्रतिबद्धता पर कार्यरत रहें

अमेरिका जैसे विकसित देशों में इस दिशा में प्रभावी कदम उठाए हैं। पिछला प्रभाव अतीत कृतकता के रूप में देखने को मिलता है। भारत द्वारा भी इस दिशा में कार्यरत है।

4. (a) While emotional intelligence is an essential tool for a public servant, it can also be misused to manipulate people to act against their own interests. Discuss with examples. (150 words) 10

हालांकि, भावनात्मक बुद्धिमत्ता लोक सेवक के लिए एक आवश्यक साधन होता है, लेकिन लोगों को अपने हितों के विरुद्ध कार्य करने के लिए प्रेरित करने हेतु इसका दुरुपयोग भी किया जा सकता है। उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिए।

भावनात्मक बुद्धिमत्ता से आराम अपनी भावनाओं को समझना तथा साथ ही दूसरों की भावनाओं को समझना तथा उन दोनों का प्रयोग कर कार्य को उच्चतापूर्वक करना। लोक सेवक के लिए भावनात्मक समझ उसे कठिन परिस्थितियों में कार्य करने हेतु प्रोत्साहन प्रदान करती है।



# प्रत्यक्ष :- कार्य की प्रभावितता में शक्ति  
 → विरोधी भावनाओं से निपटने में सक्षम  
 → लोगों को प्रोत्साहित करने में प्रयोग।

→ विभिन्न परिस्थितियों में स्वयं पर  
नियंत्रण स्थापित करना.

लेकिन अदनात्मक रूप से बुद्धिमान व्यक्ति इस गुण  
का प्रयोग गलत उद्देश्य हेतु भी कर सकता  
है जैसे—

- 1) डिटलर के बारे में माना जाता था कि वह  
अपना दिल खोल कर रूढ़ देता था। उसने  
अपनी क्षमता का प्रयोग लोगों में गलत  
रास्ते पर प्रेरित करने के लिए किया।
- 2) चुनावों के दौरान जादू, धर्म आदि के  
आधार पर लोगों को लामबंद करने में।



4. (b) Social influence is an ambivalent concept. It can be a source for good, bad and even for evil. Discuss with the help of relevant examples.

(150 words) 10

सामाजिक प्रभाव एक विरोधाभासी-अवधारणा है। यह अच्छे, बुरे और यहां तक कि अशुभ के लिए भी एक स्रोत हो सकता है। प्रासंगिक उदाहरणों की सहायता से विवेचना कीजिए।

सामाजिक प्रभाव से आशय अपने विचार, भावनाओं या गतिविधियों के माध्यम से लोगों को प्रभावित करने की क्षमता। वर्तमान में सोशल मीडिया के प्रयोग में आई से सामाजिक प्रभाव की अवधारणा को बढ़ावा मिला है।

# मदद :- लोग इन लोगों को सुनते हैं तथा इनका अनुसरण करते हैं।

- इस साथ लक्ष्य लोगों तक पहुंचें स्थापित
- अच्छे कार्यों को तीव्रता से प्रचारित करने में उपयोगी

# प्रकार :- अच्छा :- सामाजिक प्रभाव अच्छा भी हो सकता है। जिसमें व्यक्ति अच्छे कार्य करने हेतु लोगों को प्रेरित करता है जैसे- वोट डालने के बाद सही पॉस्ट करना

→ पुरा :- वर्तमान में कई ऐसे सौराष्ट्र मीडिया प्रचलन हैं जो युवाओं पर बुरा प्रभाव डाल रहे हैं जैसे-

- दाखियाओं के साथ कथित खिंचवाना
- रेल की पट्टी पर अपनी सांघसैत प्रवृत्ति का प्रदर्शन करना

→ अशुभ → इसके तहत ऐसे प्रकार का है जो कि गलत गतिविधियां को बढ़ावा दिया जाता है जैसे-

- कमिटर में दाखिनी की दलिया कर पोस्ट करना।

सांघसैत प्रकार शुभ व अशुभ दोनों हैं हमें आकर्षकता है हम शुभ को अपना तथा अशुभ के प्रति विरोधी रहे।

5. (a) Effective public service delivery demands a people-centric approach, which is built upon coordination and leverages technology. Discuss.

(150 words) 10

प्रभावी सार्वजनिक सेवा वितरण एक जन-केंद्रित दृष्टिकोण की मांग करता है, जो समन्वय पर आधारित होता है और प्रौद्योगिकी का लाभ उठाता है। चर्चा कीजिए।

प्रभावी सार्वजनिक सेवा वितरण के तहत सार्वजनिक सेवाओं और योजनाओं की उपलब्धता लक्षित व वॉल्यूम तक सुनिश्चित की जाती है। जैसे- जनरेगा के तहत कुशल श्रमियों को रोजगार की उपलब्धता सुनिश्चित करना।

वर्तमान में दृष्टिकोण में परिवर्तन -

⇒ योजनाओं को अधिक से अधिक जनकेंद्रित बनाना

→ लोगों की आवश्यकतानुसार सेवाओं की उपलब्धता

→ लक्षित वर्ग की प्रभावी पहचान उदा. - आधार

→ प्रौद्योगिकी के प्रयोग के माध्यम से उपलब्धता को बढ़ावा देना - प्रत्यक्ष लाभ  
दस्तावेज योजना

→ रिक्त को कम करना

# मद्देख :- वॉल्यूम तक के स्तर को बढ़ावा

⇒ राष्ट्र की धारणा कम क्योंकि रिवाद में  
कमी आई है

⇒ महिला वरिष्ठतरण व उद्योगिता में बढ़ी

⇒ पाठ्य के स्तर में बढ़ी पाठ्य अभियान  
के माध्यम से।

गांधी जी की लोकस्य पाठ्य के तहत समाज  
के पंचतर्क वगैरे तरु लक्ष्य की प्राप्ति पहुँचनी चाहिए  
तभी अनु. 38 के तहत कल्याणकारी राज्य  
की स्थापना की जा सकती है.

5. (b) Highlight the important teachings of Kautilya that are relevant to public services in 21st century India. (150 words) 10

कौटिल्य की उन महत्वपूर्ण शिक्षाओं पर प्रकाश डालिए, जो 21वीं सदी के भारत में लोक सेवाओं के लिए प्रासंगिक हैं।

कौटिल्य, ~~मौर्य~~ साम्राज्य के राजनीतिज्ञ, अर्थशास्त्री  
एक एक प्रभावशाली शिक्षक थे। उन्होंने पंद्रह  
सौ के मौर्य साम्राज्य की स्थापना करने में  
मदद की तथा उसे एक सुशल शासन के रूप  
में प्रशिक्षित किया।

# कौटिल्य की शिक्षा :-

1) राजत्व का सिद्धांत - इसमें राजा को प्रजा के साथ  
सिवा समान व्यवहार की  
परिभ्रमण की गई है। तथा  
हर परिस्थिति में मदद की बात  
बनी है।

2) वैदेशिक वर्गों पर विशेष ध्यान - राजा के उत्थान के  
साथ वैदेशिक वर्गों पर विशेष  
ध्यान।

3) न्याय के सिद्धांत से बढावा

4) आर्थिक विकास पर ध्यान

5) पड़ोसी राज्यों के साथ वैदिक संबंध

## लोकसेवाओं हेतु स्त्रियाँ शिक्षाओं की प्राथमिकता -

- न्याय के खिंटों के तहत सभी तस सरकारी योजना की पडुँच बढ़ाना
- महिलाओं के क्षरक्षितकरण पर ध्यान
- ध्याकार व वाणीज्य की सुगमता से हाई कर विकास से बढ़ावा
- भारत के पड़ोसी राज्यों के साथ मित्रता संबंध स्थापित करना

मैटिल्य की नीति देस के कार्पेउ विकास से बढ़ावा देने के साथ सभी तस उन लामों की पडुँच बढ़ाने पर केंद्रित थी जो समावेशी विकास का मूल है।

6. What do each of the following quotations mean to you?

निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके लिए क्या अर्थ है?

(a) "What counts in life is not the mere fact that we have lived. It is what difference we have made to the lives of others that will determine the significance of the life we lead." Nelson Mandela (150 words) 10

"जीवन में जो मायने रखता है वह केवल यह तथ्य नहीं है कि हमने अपना जीवन जिया है। दूसरों के जीवन में हमने जो बदलाव लाया है, वह हमारे जीवन के महत्व को निर्धारित करेगा।"  
- नेल्सन मंडेला

नेल्सन मंडेला की यह बात कि जीवन जीना ही मायने नहीं रखता बल्कि जो बदलाव हम दूसरों के जीवन में लाते हैं वह ज्यादा मायने रखता है वर्तमान में भी इसी प्रासंगिकता को ध्यान देना चाहिए।

कथन का महत्व :- वास्तविक जीवन यह है जो दूसरों के उत्थान में लगाया जाए।

→ स्वर्णिम होने की उम्मीद समाज में स्थापित समस्याओं पर भी पर्याप्त ध्यान देना।

→ वर्तमान में भौतिकवाद की प्रवृत्ति इसी कथन को अकहेतव बना देती है।

→ जीविकोपार्जन की धारणा तथा पर्यावरण का क्षरण हमारी पर्यावरण नीतियों पर ध्यान न देना है।

उदा०- गांधी जी इस कथन की मिसाल हैं  
जिनने अपना जीवन भारत के  
लोगों के जीवन के उत्थान में  
लगवा दिया तथा विप्लवांगण्ड की  
द्वारा भी यही बात कही है कि  
वास्तविक जीवन वास्तवता की सेवा में है।

इसलिए अनु 38 के तहत कल्याणकारी  
राज्य की स्थापना हेतु आवश्यक है कि वंचित व  
विद्यते लोगों को उनके उत्थान में जहाज्या  
प्रदान की जाए यही एक लक्ष्य है जो  
साध्य है।



6. (b) "I care only for the Spirit - when that is right, everything will be righted by itself". Swami Vivekananda. (150 words) 10

"मुझे केवल मूल की परवाह है- जब वह सही होगा, तो सब कुछ स्वयं ही सही हो जाएगा।" - स्वामी विवेकानंद

स्वामी जी का यह कथन कि जब मूल सही होगा तो उससे प्राप्त होने वाले परिणाम भी शुभ व पावन होंगे; विलुप्त सही व प्रायोगिक हैं जैसे- अगर हमारी वास्तविक इच्छा किसी की भलाई करने की है तो ही स्वयं ही प्रयत्न में रुझाई आए लेकिन इसके प्राप्त परिणाम पावन व शुभ होंगे।

# मूल सही होने का प्रभाव-

→ सही चीज हमें वास्तविकता से जोड़ती है

→ हम अपने मूल्य होने के कर्तव्य का बोध कराती है

→ उन लोगों के उत्थान करने के लिए प्रेरित करती है जिनका अभी भी समाज में निम्न स्तर है

→ हमारे वास्तविक जीवन के उद्देश्यों से जानने में मदद

इसका ज्वा. डिटेल्स के शासन से लिया  
जा सकता है। जिसमें शुरु में यदुदिया के  
प्राप्ति गकरत तथा सर्वोच्चता की महत्वपूर्णता  
थी। इसी के परिणामस्वरूप पूरे विश्व को  
द्वितीय विश्व युद्ध का सामना करना पड़ा,

गांधी जी की लक्षण व राज्य की  
परिभ्रता की उदघाटन भी इसी बात को  
साक्षित करती है। जिसमें शूल का पाषाण घना  
भी समान रूप से उपयुगी है।

6. (c) "True peace is not merely the absence of tension; it is the presence of justice." Martin Luther King Jr (150 words) 10

"वास्तविक शांति केवल तनाव की अनुपस्थिति नहीं है; बल्कि यह न्याय की उपस्थिति भी है।" -  
मार्टिन लूथर किंग जूनियर

वास्तविक शांति केवल तनाव की उपस्थिति नहीं है बल्कि न्याय की उपस्थिति भी है। यह बात जितनी प्रासंगिक है वही उम्मी भी उतनी ही प्रासंगिक नहीं हुई है। उदा०-

- ① अमेरिका सबसे विकसित राष्ट्रों में से है जिसमें भारी सीमाओं से संबंधित तथा भारतीय तनाव कम है या नहीं है। लेकिन काल लोगों के साथ होने वाले दुर्व्यवहार ने निम्न परिणाम पैदा किए हैं-

→ काल लोगों का उत्पीड़न व उनसे प्राप्ति दिखा।

→ कई तरह की उम्मी इत्यादि जैसे Black Life Matter Movement.

→ उम्मी लोगों से विकास में भारी प्रगति न होने से सामाजिक विकास नहीं

→ आर्थिक असमानता में प्राप्ति से असमानता में प्राप्ति

इन्ही परिणामों को देखते हुए यह आश्चर्य  
घे जाता है कि आर्थिक विकास का पितृ  
समी तब समान रूप से पहुँचें। भारत  
के सर्वोदय मोडल में भी समी के  
उत्थान की परिकल्पना की गई है।

लोकसत्ता की शक्ति भी इसमें महत्वपूर्ण  
घोती है। जिस अशाक्त समूह इस लोगों की  
मलाई व उत्थान हेतु किए जाने वाले प्रयास।

## SECTION – B

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):

निम्नलिखित प्रश्नों में, प्रस्तुत प्रकरण का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और उसके बाद आने वाले प्रश्नों के उत्तर दीजिए (लगभग 250 शब्द):

7. You have recently graduated from college and are now preparing for the civil services examination. While reading the newspaper, you come across a news report of a Non-Governmental Organisation (NGO), working for child rights, challenging a provision of the Juvenile Justice Act, 2015, in the Supreme Court of India. The said provision provides for the option of Children in Conflict with Law (CCL) to be tried as adults under certain circumstances. The NGO's plea is that children are not able to understand the gravity of crimes. It has also contended that the criminal acts committed by children are a reflection of failure of the society to take care of its children. In the context of this situation, as a young aspirant, answer the following questions:

(a) What are the possible factors that can drive a child towards committing heinous crimes?

(b) Is it ethical to punish children as adults rather than giving them a chance for reformation? (20)

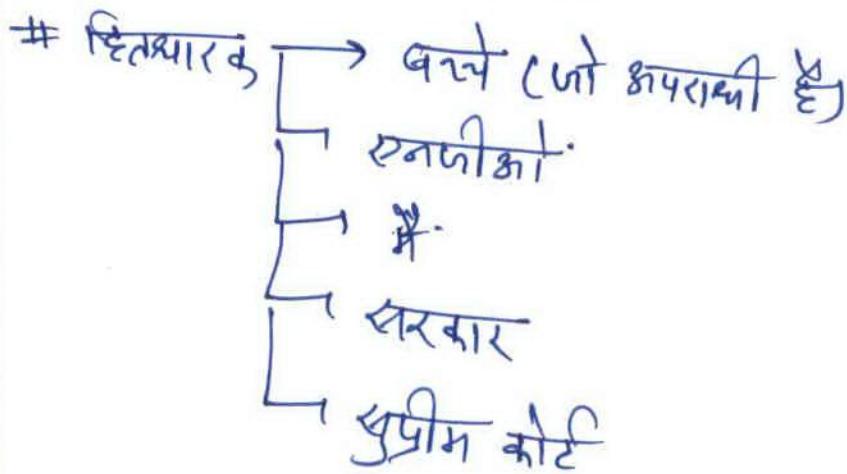
आपने हाल ही में कॉलेज से स्नातक किया है और अब आप सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं। समाचार पत्र पढ़ते समय, आप बाल अधिकारों के लिए काम कर रहे एक गैर-सरकारी संगठन (NGO) की एक खबर के बारे में पढ़ते हैं, जिसमें भारत के उच्चतम न्यायालय में किशोर न्याय अधिनियम, 2015 के एक उपबंध को चुनौती दी गई है। उक्त उपबंध कुछ परिस्थितियों में कानून का उल्लंघन करने वाले बच्चों (CCL) पर वयस्क के रूप में मुकदमा चलाने के विकल्प का प्रावधान करता है। उस NGO की दलील है कि बच्चे अपराधों की गंभीरता को समझने में सक्षम नहीं होते हैं। NGO ने यह भी तर्क दिया है कि बच्चों द्वारा किए गए अपराधिक कृत्य अपने बच्चों की देखभाल करने में समाज की विफलता का प्रतिबिंब हैं। उपर्युक्त परिस्थिति के संदर्भ में तथा एक युवा अभ्यर्थी के रूप में निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) वे कौन-से संभावित कारक हैं जो एक बच्चे को जघन्य अपराध करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं?

(b) क्या बच्चों को सुधार का एक मौका देने के बजाय उन्हें वयस्कों के रूप में दंडित करना नैतिक है?

भारत में राष्ट्रीय न्याय रिपोर्टिंग एजेंसी (NCRB) द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार बच्चों द्वारा किए

जाने वाले अपराधों में वृद्धि के साथ ही  
जघन्य अपराधों में भी वृद्धि हुई है जो भारत  
में बच्चों के विकास के प्राथमिक सरकार, समाज  
की विकसितता दर्शाती है।



मैसिब मुद्दे :- बच्चों की अपराध में जटिलता  
 → एनजीओ द्वारा अपराधी बच्चों  
 का पचाव  
 → बच्चों के अपराध में अप्रत्यक्ष  
 रूप से सरकार व समाज की  
 भूमिका  
 → बच्चों का बचपन व शिक्षा के  
 अधिकारों से वंचित होना

(a) बच्चों के लक्षण्य अपराध में शामिल होने के कारक -

→ बच्चों का तकनीकी विकास के कारण वीडियो गेम आदि खेलना जिससे आक्रामक व क्रोध की प्रवृत्ति बढ़ती है।

⇒ शुक्की परिवार में बढ़ती धार्मिक व परिवार के अन्य सदस्यों से होने वाले शारीरिक विकास में रुकी

→ माला-पेता का कार्यरत होना जिससे बच्चों पर पर्याप्त ध्यान नहीं

→ इंटरनेट के माध्यम से बच्चों का गलत कंटेंट के प्रति संवेदनशील होना जैसे -

- आतंकवाद
- फौजों/ग्राफी
- मशा

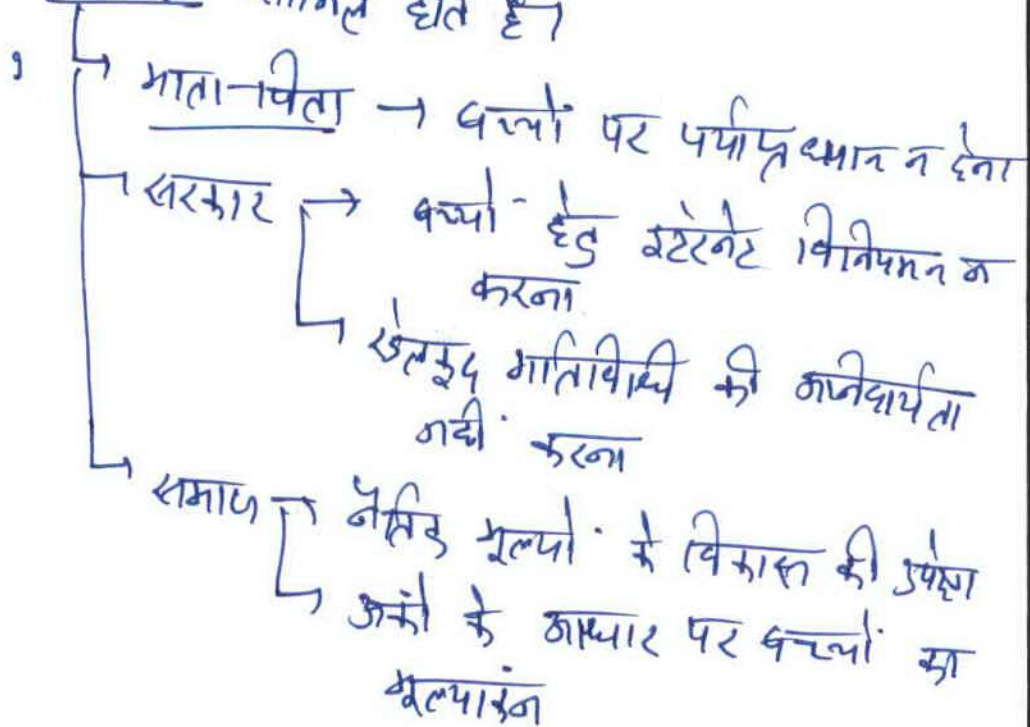
→ बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण बच्चों में आक्रामक व अकेलेपन में धार्मिक

⇒ पर्याप्त इलेक्ट्रिक गतिविधियाँ व योग को बच्चों की दिनचर्या में शामिल न करना

⇒ शोराह मीडिया का अधिक प्रयोग। जैकले भौतिक  
तयरी में कमी तथा एकाधिक में वृद्धि।

(5) बच्चों को सुधार का मौका दिए बिना दंडित  
करना अनैतिक है तथा इसके निम्न कारण  
हैं जैसे—

\* बच्चों की आपराधिक गतिविधियों हेतु पूर्णतः  
बच्चे जिम्मेदार नहीं हैं। इसके निम्न  
भागीदार शामिल होते हैं।



\* बच्चों का मानसिक विकास पर्याप्त रूप से नहीं  
हो पाता। इससे सही बगलत नियंत्रण  
की क्षमता का अभाव।



\* वक्ताओं में सुझावों की क्षमता तथा इस लक्ष्य को जीवन देना जैसे कारण हैं जिन्हें आधार पर शपथ देना प्रासंगिक नहीं है।

आगे की कार्यवाही → सुधार का मौका देना  
 → मानसिक स्थिति को जांच करना  
 → सुरक्षात्मक माहौल प्रदान करना  
 → सरकार द्वारा विशेष ध्यान देना।

8. You are a CEO-founder of an edTech company. You are under tremendous pressure from the investors in your company to increase the profitability of the company and undertake downsizing. After making a few bad acquisitions, the company's finances have taken a huge hit in the last couple of years. The downsizing is suggested with the hope that the company's profitability would rise, as it often does when mass

layoff or downsizing decisions are carried out. Moreover, the investors have hinted that such measures would attract further investment from them, which has come as a ray of hope considering the ongoing volatile market conditions and slowdown in big-ticket fundings. Given the situation, rumors of unscrupulous firing have started doing the rounds among employees. It has increased apprehensiveness and reduced cohesiveness among them. You have informed the investors that the cost cutting exercise can affect the output as well as reputation of the company in the long-run. However, they are adamant to pursue the same.

(a) Identify the stakeholders and ethical issues involved in the case.

(b) You and the HR team have identified some options and are deliberating to put them across to the investors for consideration. Discuss the merits and demerits of each of these:

(i) Identifying key high performers and offering them suitable positions before implementing the layoff decision.

(ii) Putting the terminated employees on retainer to work part-time.

(iii) Executing the lay off order in the same spirit as it was asked by the investors and letting them deal with the long-term consequences.

(iv) Improving the perception of fairness among the existing and terminated employees and moving ahead with the layoffs.

(c) Without restricting yourself to the above options, discuss the course of action you will take, and provide adequate reasons for the same.

(20)

आप एक एडटेक कंपनी के सह-संस्थापक और सी.ई.ओ. हैं। कंपनी की लाभप्रदता बढ़ाने और छंटनी (डाउनसाइजिंग) करने के लिए आपके ऊपर कंपनी के निवेशकों का जबरदस्त दबाव है। कुछ खराब अधिग्रहण करने के बाद, पिछले कुछ वर्षों में कंपनी की वित्तीय स्थिति में भारी गिरावट आई है। ऐसे में छंटनी का सुझाव कंपनी की लाभप्रदता में वृद्धि की उम्मीद के साथ दिया गया है, क्योंकि सामान्यतः बड़े पैमाने पर छंटनी के निर्णय से लाभप्रदता बढ़ती है। इसके अलावा, निवेशकों ने संकेत दिया है कि इस तरह के उपायों के परिणामस्वरूप वे कंपनी में और अधिक निवेश कर सकते हैं, जो बाजार में चल रही अस्थिर स्थितियों एवं अधिकाधिक फंडिंग में कमी को देखते हुए आशा की किरण के रूप में हैं। इस स्थिति को देखते हुए कर्मचारियों के बीच बेवजह नौकरी से हटाये जाने की अफवाहों का दौर शुरू हो गया है। इन सब बातों ने उनके बीच आशंका को बढ़ाया है और एकजुटता को भी कम किया है। आपने निवेशकों को सूचित किया है कि लागत में कटौती के प्रयास से, कंपनी के उत्पादन के साथ-साथ दीर्घावधि में प्रतिष्ठा भी प्रभावित हो सकती है। हालांकि, वे इसी उपाय को अपनाने पर अड़े हुए हैं।

- (a) इस प्रकरण में शामिल हितधारकों और नैतिक मुद्दों की पहचान कीजिए।
- (b) आपने और HR टीम ने निम्नलिखित कुछ विकल्पों की पहचान की है तथा उन्हें विचार के लिए निवेशकों के सामने रखने की सोच रहे हैं। इनमें से प्रत्येक के गुणों और दोषों की विवेचना कीजिए:
- (i) छंटनी के फैसले को लागू करने से पहले उच्च प्रदर्शन करने वाले अग्रणी कर्मचारियों की पहचान करना और उन्हें उपयुक्त पदों की पेशकश करना।
- (ii) हटाये जाने वाले कर्मचारियों को पार्ट-टाइम काम करने के लिए रिटेनर के तौर पर रखना।
- (iii) छंटनी के आदेश को उसी भावना से निष्पादित करना जैसा कि निवेशकों द्वारा कहा गया था और उन्हें दीर्घकालिक परिणामों से निपटने की अनुमति देना।
- (iv) मौजूदा और हटाये गए कर्मचारियों के बीच निष्पक्षता की धारणा में वृद्धि करना और छंटनी के उपाय के साथ आगे बढ़ना।
- (c) स्वयं को उपर्युक्त विकल्पों तक सीमित किए बिना, आपके द्वारा की जाने वाली कार्रवाई पर चर्चा कीजिए और उसके लिए पर्याप्त कारण बताएं।

(a) आर्थिक विचार की गति धीमी होने पर कर्मचारियों की छंटनी करना सामान्यता देखा जाने वाली घटना है जिसमें निम्न हितधारक शामिल हैं।

# हितधारक	हित
① मजदूर	<ul style="list-style-type: none"> <li>* पर्याप्त कर्मचारी लाभा</li> <li>की प्राप्ति</li> <li>* रोजगार की उपलब्धता</li> </ul>
② कंपनी	<ul style="list-style-type: none"> <li>* लाभ को अधिकतम करना</li> <li>* निवेशकों को लाभ पहुंचाना ताकि निवेश बढ़े</li> <li>* कर्मचारियों से सहयोग रखना</li> </ul>

3) CEO

- \* कंपनी के लाभ को अधिकृत करना
- \* कंपनी की धार्य व प्रतिष्ठा बनाए रखना
- \* मजदूरों के हित में कार्य

④ निदेशाव

- \* अधिकृत लाभ की प्राप्ति
- \* कंपनी के विकास में सहयोग

अपेक्षित प्रकरण में निम्न नीतिगत मुद्दे विद्यमान हैं  
जैसे → मजदूरों की घंटी से उनकी जीविका के समझ लेंगे

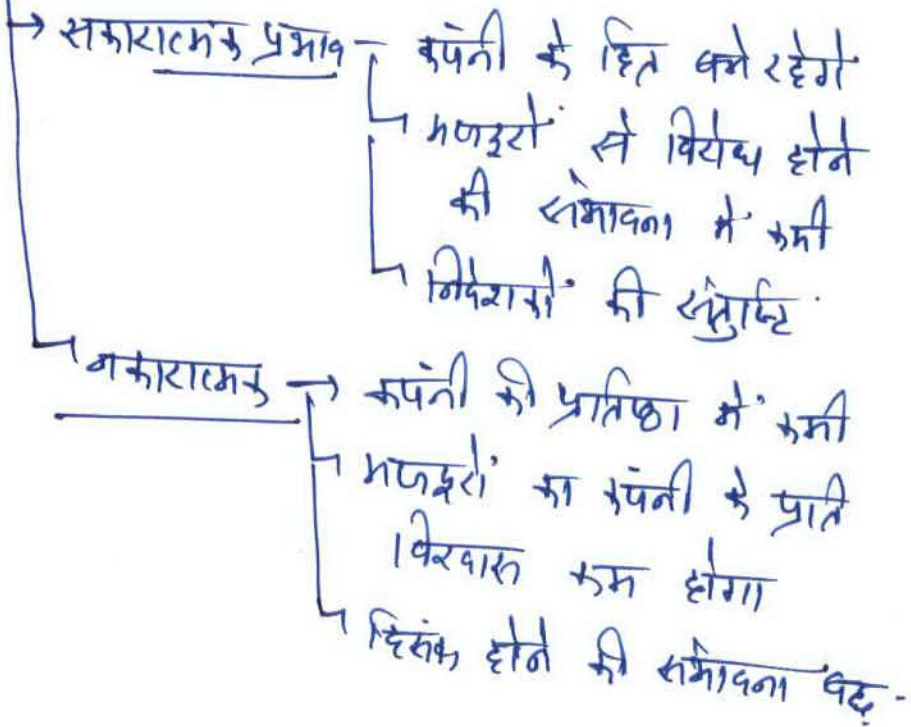
→ कंपनी के समझ लाभ प्राप्ति व निदेशाव को संतुष्ट करने का लक्ष्य

→ निदेशावों को लाभ प्राप्ति से मतलब मजदूरों की दिशा में नहीं

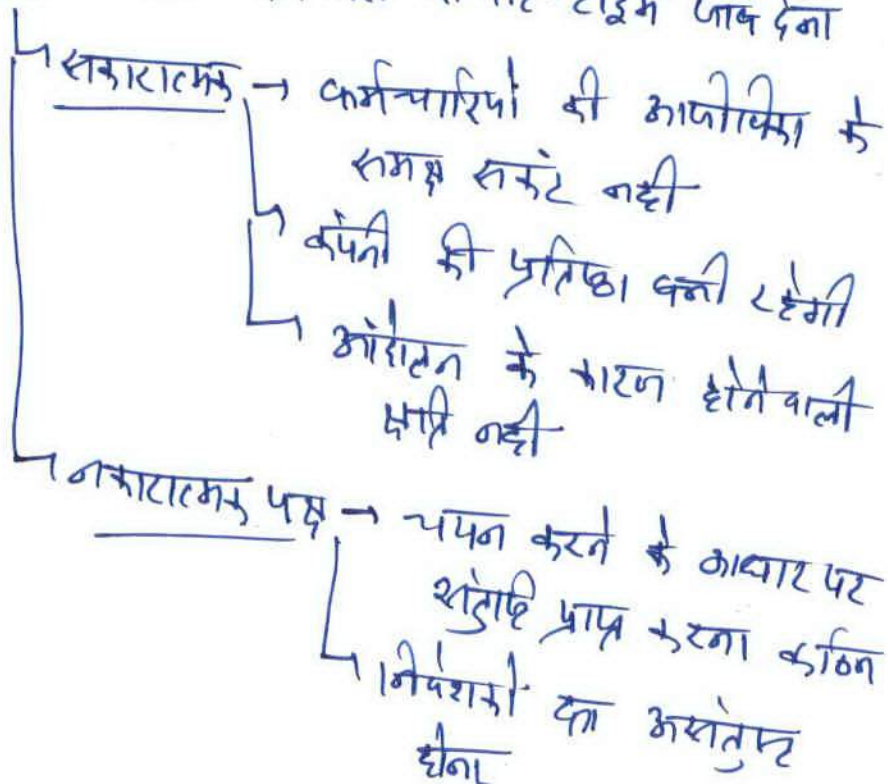
→ अफवाहों के कारण मजदूरों की एकपुटता में रही

→ आंदोलन की संभावना से कंपनी की धार्य पर प्रभाव

(b) विकल्प I - प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों को उच्च पदों की पेशकश देना।



विकल्प-II - दूरस्थ कर्मचारी से पार्ट-टाइम जाके देना



विकल्प (A) → घटती करना तथा दीर्घकालिक परिणाम  
द्वारा निर्देशकों पर निर्भरता

सकारात्मक - कंपनी को लाभ  
निर्देशकों को संतुष्ट

नकारात्मक - घटती का कर्मचारी पर पड़ने पर  
आजीविका संकट  
कंपनी की प्रतिष्ठा में कमी

विकल्प (B) → धारा 74 कर्मचारी के बीच निष्पक्षता  
बढ़ाना व घटती करना

सकारात्मक - धारा 74 प्रावधानों संबंधी निष्पक्षता  
ले आंदोलन क्षेत्र की संभावना  
में कमी

निर्देशकों संतुष्ट व लाभ में वृद्धि

नकारात्मक → कंपनी के प्रति भ्रष्टाचारों का  
लगाव कम  
जिदल आगे कंपनी की विश्व  
समीक्षा प्रभावित।

(C) करिदाई - सर्वप्रथम निर्देशकों को संतुष्ट करने  
की कोशिश करना तथा संतुष्ट न

दोनों पर ध्यान करना

- ध्यान में कोशिश करना की कम-से-कम दो
- ध्यान के आधारों को सार्थक बनाना  
ज्यादा कंपनी की स्थिति बताकर कर्मचारियों  
के विश्वास को प्राप्त करना

- ध्यान इस लोगों को भी स्टिनर के रूप  
में कम लागत पर रोजगार देना

- कर्मचारियों के समस्त सारी स्थिति स्पष्ट कर  
उनकी विश्वसनीयता प्राप्त करना तथा उन्हें  
कंपनी की लाभप्रदता बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित  
करना.

आदि कर्मचारी के आधार पर स्थिति में  
समझा जा सकता है.

9. There is an ongoing ethnic civil war in a neighbouring country. The conflict has caused massive displacement of people from the country. Ironically, the developed countries have closed off their borders to the refugees on account of the COVID-19 pandemic, resource competition, domestic politics etc. With countries sealing off their borders, the refugees are left in a vulnerable situation and many are taking illegal routes to enter your country. As a Senior Official of your country's Ministry of External Affairs, you have been involved in discussions with officials of other nations and are entrusted with the mandate to design a national policy to safely accommodate India bound refugees. In this context, answer the following questions:

(a) Discuss the moral issues related to the rights of international refugees, especially those from conflict-torn regions.

(b) What recommendations would you suggest given the large influx of refugees in India. (20)

एक पड़ोसी देश में नृजातीय गृह-युद्ध जारी है। यह संघर्ष उक्त देश से लोगों के बड़े पैमाने पर विस्थापन का कारण बन गया है। विडंबना यह है कि विकसित देशों ने कोविड-19 महामारी, संसाधनों के लिए प्रतिस्पर्धा, घरेलू राजनीति आदि के कारण शरणार्थियों हेतु अपनी सीमाओं को बंद कर दिया है। देशों द्वारा अपनी सीमाओं को बंद करने के कारण शरणार्थियों की स्थिति असुरक्षित हो गई है और वे आपके देश में प्रवेश करने के लिए कई अवैध मार्ग अपना रहे हैं। अपने देश के विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के रूप में, आप दूसरे देशों के अधिकारियों के साथ चर्चा में शामिल रहे हैं और आपको भारत में रहने वाले शरणार्थियों को सुरक्षित रूप से समायोजित करने के लिए एक राष्ट्रीय नीति तैयार करने का कार्य सौंपा गया है। इस संदर्भ में निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) अंतर्राष्ट्रीय शरणार्थियों, विशेष रूप से संघर्षग्रस्त क्षेत्रों से आने वाले शरणार्थियों, के अधिकारों से संबंधित नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

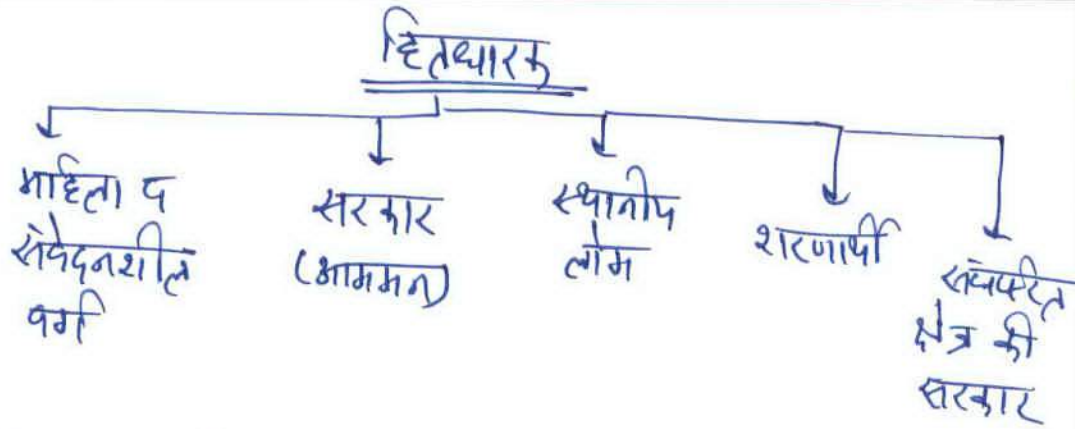
(b) भारत में शरणार्थियों की बड़ी संख्या के आगमन को देखते हुए आप क्या मुझाव देंगे।

(b) संयुक्त राष्ट्र की शरणार्थियों से संबंधित रिपोर्ट के अनुसार भारत में शरणार्थियों की संख्या लगभग 2.5-3 करोड़ है। तथा काव्यकारण शरणार्थियों का आगमन पड़ोसी देशों जैसे- भूटान, नेपाल, बांग्लादेश, म्यांमार व पाकिस्तान से हुआ है।



संघर्षित क्षेत्रों से आने वाले लोगों से संबंधित  
गैरिक्त मुद्दे -

- मानवाधिकारों का हनन
- कालीविका व धर संधी निवारण स्थान की  
धानि
- महिलाओं के प्रति लैंगिक उत्पीड़न की  
संभावना
- कंचो व हड़ो की संवेदनशीलता
- आगमन वाले राष्ट्रों से लोगों (स्थानीय) द्वारा  
विरोध करना जैसे- असम में बांग्लादेशी  
शरणार्थियों का विरोध
- आगमन स्थान पर सांस्कृतिक व जनसांख्यिकी  
पर पड़ने वाला प्रभाव
- स्थानीय संभावना पर भार से संघर्ष की  
संभावना में ह्रास
- सरकार के द्वारा जपत भेज जाने की  
संभावना का डर



(b) भारत में बड़ी संख्या में शरणार्थियों को देखते हुए निम्न प्रश्नों को राष्ट्रीय नीति में शामिल करना -

1) अर्थव्यवस्था को प्रतिबंधित करना

- ↳ सीमा पर सैनिकों की बढ़त
- ↳ एकीकृत सुरक्षा निगरानी तंत्र की स्थापना
- ↳ धरोक्षी राष्ट्रीय है अर्थव्यवस्था को रोकने संबंधी समझौते करना

2) संबंधित क्षेत्रों में होने वाले प्रदूषण में निम्न तर्कों का समावेश

- ↳ उनकी मानवीय कानून पर लक्ष्यता देना
- ↳ स्थानीय लोगों को उनके प्रति उच्च उपचार व जपानों से रोकना
- ↳ आसाम और सुक्काओं की उपलब्धता

- 3) महिलाओं के प्रति विशेष संरक्षण का प्रावधान करना
- 4) संयुक्त राष्ट्र व श्वेडिश राष्ट्रीय लेवताम्यीट द्वारा इस मुद्दे को सुलझाने की कोशिश करना
- 5) जब तक स्थायी समाधान न निकले तक तक संरक्षणार्थियों को निम्न सुविधा देना
- ↳ संरक्षण प्रदान करना
  - ↳ जबरन उन्हें देश में स्थानांतरण नहीं करना
  - ↳ सुविधाओं व बीमारियों की प्रवणता की स्थिति में उनको उपचार उपलब्ध करना
  - ↳ बच्चों से खूली शिक्षा देना

इस प्रकार सभी आपातों में ध्यान दे सकते हैं।  
इस संरक्षणार्थी की समस्या से निपटा जा सकता है।



10. Social interactions where a person is addressed by their correct name and pronouns, consistent with their gender identity, are widely recognized as a basic and yet critical aspect of gender affirmation. A national university invited speakers for a discussion on rights of sexual minorities in India. The panel included speakers representing a wide variety of opinions and perspectives on the issue. The debates, though largely peaceful, witnessed a controversy. A college association representing sexual minorities took offence against a panellist who cautioned against self-identification by sexual minorities and the liberal use of pronouns. The association reached out to the media and the localised controversy soon turned into a national issue across news networks and social media. The association demanded that the panellist apologise for his views and issue a public statement in this context. The panellist, on the other hand, seemed unmoved by the issue. In the meantime, the University has come under huge pressure to resolve the issue. The Vice Chancellor set up a Committee to look into the matter and its peaceful resolution. You have been appointed as the Chairperson of the Committee. In this regard, answer the following questions:

(a) Discuss the various moral issues involved in the case.

(b) Keeping the right to freedom of speech and expression in mind, highlight the steps you would take to resolve the issue and list arguments in support. (20)

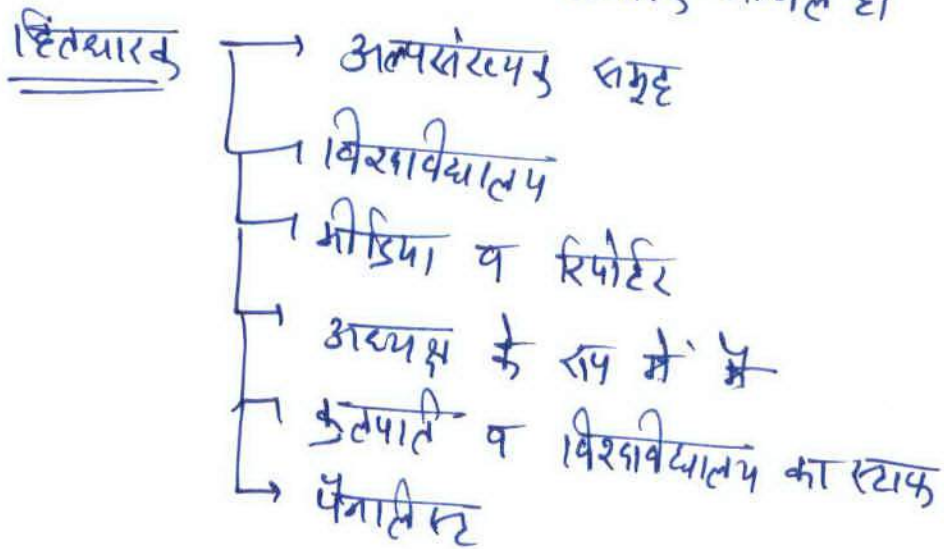
सामाजिक संपर्क, जहां व्यक्ति को उनके सही नाम एवं सर्वनाम द्वारा और उनकी लैंगिक पहचान के अनुरूप संबोधित किया जाता है, को व्यापक रूप से लैंगिक पुष्टि के एक बुनियादी और महत्वपूर्ण पहलू के रूप में पहचाना जाता है। राष्ट्रीय स्तर के एक विश्वविद्यालय ने भारत में लैंगिक अल्पसंख्यकों के अधिकारों पर चर्चा के लिए वक्ताओं को आमंत्रित किया है। उस पैनल में इस मुद्दे पर विभिन्न प्रकार की राय और दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करने वाले वक्ता शामिल थे। हालांकि, वहां की गई चर्चा काफी हद तक शांतिपूर्ण थी, लेकिन इसमें एक विवाद भी उत्पन्न हुआ। लैंगिक अल्पसंख्यकों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक कॉलेज एसोसिएशन ने लैंगिक अल्पसंख्यकों द्वारा आत्म-पहचान और सर्वनामों के उदार उपयोग के खिलाफ चेतावनी देने वाले एक पैनलिस्ट के खिलाफ उग्र विरोध प्रदर्शित किया। उस एसोसिएशन ने मीडिया के माध्यम से अपना मत व्यक्त किया और स्थानीय विवाद जल्द ही समाचार नेटवर्क और सोशल मीडिया पर एक राष्ट्रीय मुद्दे में बदल गया। उस एसोसिएशन ने मांग की कि वह पैनलिस्ट अपने विचारों के लिए माफी मांगें और इस संदर्भ में एक सार्वजनिक बयान जारी करें। दूसरी ओर, वह पैनलिस्ट इस मुद्दे से अप्रभावित था। साथ ही, विश्वविद्यालय पर मामले को सुलझाने का भारी दबाव है। कुलपति द्वारा मामले की जांच करने और इसके शांतिपूर्ण समाधान के लिए एक समिति का गठन किया गया है। आपको समिति के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है। इस संबंध में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) इस प्रकरण में शामिल विभिन्न नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) वाक् और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार को ध्यान में रखते हुए, इस मुद्दे को हल करने के लिए आप जो कदम उठाएंगे उसे रेखांकित कीजिए और समर्थन में तर्क दीजिए।

भारत में लैंगिक अल्पसंख्यकों की स्थिति किन्हीं  
इस अवस्था में है तथा सरकार के द्वारा भी  
इसके उच्चायन हेतु पर्याप्त प्रयास नहीं किए गए हैं  
साथ ही समाज के द्वारा किया जाने वाला व्यवहार  
इसकी स्थिति को और निम्न बनाता है।

(4) संबंधित प्रकरण में निम्न विषयात्मक शामिल हैं



नैतिक मुद्दे - समाज में लैंगिक अल्पसंख्यकों का पर्याप्त  
सम्मान न मिलना

→ सरकार के द्वारा भी इनकी अवहेलना  
की गयी अपमान

→ कार्यक्षेत्र व सामाजिक स्थिति का  
निम्न होना

→ पेंशनर द्वारा किया जाने वाला अपमान

- असाधारण के बाद भी भागी व भागीना
- मीडिया के द्वारा टीआरपी के उद्देश्य से मुद्दे पर ध्यान देना

(b) भारत के लोकियान में एक एवं अभिलेखित की स्वतंत्रता अनुच्छेद 19 के तहत प्रदान की गई है लेकिन इस स्वतंत्रता पर उचिततम प्रतिबंध भी लगाए गए हैं। जिसमें किसी भी मान व मर्यादा को धारण न पहुंचाना भी शामिल है।

मुद्दे को सुलझाने की कार्यवाही-

- सर्वप्रथम लेखीर अल्पसंख्यकों से बात करना तथा उन्हें कारवाहन देना की उनके साथ व्यापक होगा
- सारं धरनात्रक की एक रिपोर्ट तैयार करना। जिसमें पेंनालिस्ट द्वारा की गई अशुद्धता को भी शामिल करना
- रिपोर्ट को पेंनालिस्ट के सामने रखना तथा उसे समझाने की कोशिश करना कि उसके भागी व भागीने से उसके कार्य व प्रतिक्रिया दोनों को धारण हो सकती है।
- कृतपात्री व अन्य द्वारा ले पेंनालिस्ट को समझाने

का आग्रह करना तथा सफ़ी व मांगने पर  
उचित कार्यवाही की धमकी देना

→ पंजाब से लिखित माफीनामा प्राप्त करना तथा  
इस लेखी अल्पसंख्यकों व मीडिया के  
सामने रखना ताकि मीडिया को शांत किया  
जा सके,

→ लेखी अल्पसंख्यकों के नेता से माफीनामा देकर  
आग्रह करना जो कोर्ट काबूनी करवाई न  
की जाए इसके विश्वासेधालय की प्रतिष्ठा में  
कमी आएगी।

→ आने वाले समय में ऐसी घटनाओं को रोकने  
के लिए पर्याप्त प्रयास करना

जैसे - लेखी अल्पसंख्यकों संबंधी सरकार के  
पोस्टर विश्वासेधालय में लगाना

→ एचएच व धात्री से उनके प्रति  
सौद्वेषशीलता का संकेत अपनाने  
के लिए प्रोत्साहित करना



उपरोक्त कार्यवाही के आधार पर मुझे जो सुलझाया  
जा सकता है तथा दोनों पक्षों को जाने  
किया जा सकता है साथ ही आगे भविष्य  
के लु सुधारालोक में काम उठाने जा सकता है।

11. You are a young athlete representing India at an international-level competition. To your surprise, during the competition, you witness a few senior athletes injecting something using a syringe in private. When you approach them, they explain that it is a performance enhancing drug, which is very common in such competitions and you should take the same as well. You are aware that if these players get caught in a doping test, it may damage India's reputation. You are confused and afraid of the repercussions and decide to approach the coach to discuss the event you witnessed. However, you get to know that the athletes are taking the drug on the advice of the coach himself.

(a) What would you do in this scenario? Discuss the options available to you and chart your course of action.

(b) What are the reasons behind the use of performance enhancing drugs in competitive sporting events? How can this practice be minimized?

(20)

आप अंतर्राष्ट्रीय स्तर की एक प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले एक युवा एथलीट हैं। आश्चर्यजनक रूप से, आप प्रतियोगिता के दौरान कुछ वरिष्ठ एथलीटों को गुप्त रूप से सिरिज का उपयोग करके कुछ इंजेक्शन को लगाते हुए देखते हैं। जब आप उनसे संपर्क करते हैं, तो वे समझाते हैं कि यह प्रदर्शन बढ़ाने वाली एक दवा है, जो ऐसी प्रतियोगिताओं में बहुत आम है और आपको भी इसे लेना चाहिए। आप जानते हैं कि यदि ये खिलाड़ी डोपिंग टेस्ट में फंस जाते हैं तो इससे भारत की साख खराब हो सकती है। आप दुविधा में हैं और इसके परिणामों से डरते हैं। साथ ही, आप इस घटना पर चर्चा करने के लिए कोच से संपर्क करने का फैसला करते हैं। हालांकि, आपको पता चलता है कि एथलीट कोच की सलाह पर इस दवा को ले रहे हैं।

(a) इस परिदृश्य में आप क्या करेंगे? आपके समक्ष उपलब्ध विकल्पों पर चर्चा कीजिए और अपनी कार्रवाई की रूपरेखा तैयार कीजिए।

(b) प्रतिस्पर्धी खेल प्रतियोगिता के आयोजनों में प्रदर्शन बढ़ाने वाली दवाओं के उपयोग के पीछे क्या कारण हैं? इस प्रथा को कैसे कम किया जा सकता है?

(a) इस परिदृश्य के अंतर्गत निम्न विकल्प उपलब्ध हैं—

1) कोच को पार पताना लेकिन उन्हें पदले से ही इस मामले का खोज घंटे के कारण कार्रवाई होने की उम्मीद है।

(2) बच्चा को इंजेक्शन न लेने के लिए समझाना तथा उन्हें बताना कि दूसरी देरा की कार्ड के साथ ही उनका कैरियर भी बर्बाद हो जाएगा लेकिन कौन के द्वारा समर्पण देने के कारण उनका भरी कात मानना कठिन है।

(3) देरा कौन के पास जाकर उनको थोड़ा थोड़ा करके इंजेक्शन देना तथा न मानने पर वरिष्ठ अधिकारियों तक कात पहुँचाने की चकती देना दूसरे देरा कैरियर भी खतरे में पड़ सकता है लेकिन इसमें जेम्स प्रभाव होता है—

→ कौन द्वारा बच्चों को रोकने की समझाना बंद करती है।

→ भारत की धाँसी पर कान बाल खतरे में टाला जा सकता है।

→ शपलीट के कैरियर को समाप्त होने व उन्हें गलत लत में पड़ने से बचाया जा सकता है।

→ वरिष्ठ अधिकारियों के जरूरी कौन द्वारा आगे लेना न करने की।

संभवता बढ़ जाही है।

- गन्कारालोक पक्ष (कार्टवाई के)
- मेरा करियर समाप्त हो सकता है।
  - गरिष्ठ अधिकारी भी इस कार्य में संलग्न हो सकते हैं।
  - एचलीट व कोन द्वारा मिलकर कुछ श्रम बढाया जा सकता है।
  - लगातार शोपिंग के कारण एचलीटों के शरीर पर गन्कारालोक प्रभाव पड़े।
  - भारत की धावि पर गन्कारालोक प्रभाव

(b). प्रतिपोगिताओं में शोपिंग बढ़ने के कारण—

- 1) प्रतिस्पर्धा के स्तर में दोगोपली लगातार बढ़े।
- 2) भारतीय रेल नवसंरचना की निम्नतरपी गुणवत्ता के कारण एचलीटों का शरीर प्रति आकर्षित होना।
- 3) कोन व अधिकारियों के द्वारा उन पर रोकने हेतु कार्टवाई न करना तथा कई बार स्थल भी संलग्न होना।

4) रेलों पर सरकार का पर्याप्त ध्यान न दिया जाता

5) समय-समय पर रथलियों के ट्रेस्ट का आयोजन न करना

6) ट्रेस्ट संबंधी अवसंरचना व संस्थानों की निम्न स्तर गुणवत्ता के कारण रथलियों का क्षयकर निकलना

# काम करने के उपाय:-

① पर्याप्त ट्रेस्टिंग अवसंरचना का विकास

② डीपेन रथली आयोजन प्लान तथा पागरकट का पढ़ावा देना

③ सरकारी प्रावधान में सुधार करना तथा रेलों को प्राथमिकता धृत्ति में शामिल करना

④ रथलों को निगरानी में रखना तथा रथलियों की डीपेन पर उनके रोल पर भी सुधार करना

(3) खेती- को खेत की भावना से लेना तथा  
इसे अकाल का कारण न बनाना।  
इस प्रकार विभिन्न कार्टेजों द्वारा इन्फेस  
संबंधी पुनर्गती से निपटा जा सकता है।

12. You have been newly appointed as the District Magistrate of a district, which is known for its rich mineral deposits. Following the news being circulated in the media about the illegal mining in your district, you have initiated an enquiry into it. When the State's Minister of Mines and Minerals gets to know of the enquiry initiated by you, he directs you to name some junior government employees as being involved in the wrongdoing and make them scapegoats. He also points out that elections to the State Assembly are around the corner and the present government wishes to stay clear of any political corruption. This Minister is a very influential figure in the present regime and there are high chances of the present ruling party being voted back to power. In due course of the enquiry, it has come to your notice that the said Minister has also been involved in illegal mining through his cronies.

The findings of the enquiry can affect the outcome of the elections as well as completely derail your career, if the incumbent party wins the elections, which looks very likely as per the polls.

Answer the following with reference to this case:

- (a) Identify the stakeholders and the ethical issues in the given case.  
(b) Critically evaluate the options in the given scenario and state your course of action, giving reasons. **(20)**

आपको एक ऐसे जिले के जिला मजिस्ट्रेट के रूप में नियुक्त किया गया है, जो अपने समृद्ध खनिज भंडार के लिए जाना जाता है। आपके जिले में अवैध खनन के बारे में मीडिया में खबर प्रसारित होने के बाद, आपने इसकी जांच शुरू कर दी है। जब राज्य के खान और खनिज मंत्री को आपके द्वारा शुरू की गई जांच के बारे में पता चलता है, तो वो आपको कुछ कनिष्ठ सरकारी कर्मचारियों पर गलत काम में शामिल होने का आरोप लगाने और उन्हें बलि का बकरा बनाने का निर्देश देते हैं। वह यह भी बताते हैं कि राज्य विधान सभा के चुनाव नजदीक हैं और वर्तमान सरकार किसी भी राजनीतिक भ्रष्टाचार से दूर रहना चाहती है। वह मंत्री वर्तमान सरकार में एक अत्यधिक प्रभावशाली व्यक्ति है और साथ ही, वर्तमान सत्ताधारी दल के सत्ता में वापस आने की बहुत अधिक संभावना है। जांच के क्रम में आपके संज्ञान में आया है कि उक्त मंत्री अपने साथियों के माध्यम से अवैध खनन में शामिल रहा है। यदि सत्ताधारी दल चुनाव जीत जाता है, जिसकी अनुमानों के अनुसार संभावना अधिक है, तो आपकी जांच के निष्कर्ष चुनाव परिणामों को प्रभावित करने के साथ-साथ आपके करियर को भी प्रतिकूल रूप से प्रभावित करेंगे। इस प्रकरण के संदर्भ में, निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए:

- (a) प्रदत्त प्रकरण में शामिल हितधारकों और नैतिक मुद्दों की पहचान कीजिए।  
(b) दिए गए परिदृश्य में उपलब्ध विकल्पों का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए और कारण बताते हुए अपनी कार्रवाई का विवरण दीजिए।

(a) अर्थव्यवस्था के विकास में प्रमुख और कारगरनी साधन है। पिछले साल राज्य धान के साथ समीक्षा अंतराधी की बढ़ावा मिलता है।

दृष्टिकोण	दृष्टि
1) मंत्री	<ul style="list-style-type: none"> <li>* चुनाव में जीत हासिल करना</li> <li>* अर्थव्यवस्था के विकास को प्रोत्साहित करना</li> <li>* अर्थव्यवस्था से लाभ की प्राप्ति</li> </ul>
2) नीति	<ul style="list-style-type: none"> <li>* दीक्षा प्रदान करना</li> <li>* अर्थव्यवस्था को समर्थन प्रदान करना</li> </ul>
3) स्थानीय लोग	<ul style="list-style-type: none"> <li>* अर्थव्यवस्था से आर्थिक व सामाजिक पर नकारात्मक प्रभाव</li> <li>* अर्थव्यवस्था से प्राप्त लाभों को समझा नहीं</li> </ul>
4) नौकरशाही	<ul style="list-style-type: none"> <li>* अर्थव्यवस्था को समर्थन प्रदान करना</li> <li>* अर्थव्यवस्था पर रोक</li> <li>* अपनी धर्म को बचाव करना</li> </ul>



मैसिक मुद्दे - अर्थव्यवस्था को रोकना तथा सरकार  
का खर्च घटाना

→ चुनाव के कारण अपराधी से चुनाव  
हटाने अन्य कार्यकारिणी पर गलत  
आरोप लगाना

→ स्थानीय लोगों का लालच से राजाकरण  
नहीं

→ अर्थव्यवस्था को रोकना पर  
पुनः काल प्रमाणात् कारगरूप  
नहीं करना

→ भ्रष्टाचार से बचाना

(b) विकल्प → मंत्री की बात मान लेना तथा आरोप  
कमिष्ठ कार्यकारिणी पर लगाना

→ मंत्री की बात मानने से भ्रष्टाचार  
हटाना तथा कार्यकारिणी से बचाना  
करना

→ लोकप्रतिष्ठा की रक्षा के लिए  
तथा मंत्री से लिखित आदेश की मांग  
करना

अपूर्ण विवरण के अंतर्गत नीचे दिए गए कार्रवाई अपनाई जा सकती है -

- ① समस्त कार्य से संबंधित रिपोर्ट तैयार कर अपने परिचित अधिकारियों के समक्ष रखना तथा कार्रवाई हेतु निर्देश प्राप्त करना
- ② समस्त संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर उन्हें संतुष्ट करना तथा अपने पक्ष में करना
- ③ परिष्कार द्वारा कार्रवाई न करने पर रिपोर्ट को मंत्री के पास भेजना तथा उचित कार्रवाई हेतु लिखित आदेश की मांग करना
- ④ मंत्री द्वारा धमकी देने पर रिपोर्ट को मीडिया के समक्ष रखने की बात रखना
- ⑤ मंत्री संबंधी लोग पर उक्त में सम्बन्धित कार्य के अनुरूप उन पर कार्रवाई करना
- ⑥ कार्रवाई के कारण क्षेत्र में अन्य अधिकारियों पर भी धमकी लगाने की सम्भावना

→ एक छात्रों तथा शिष्यों में ऐसी पहचान  
में रही आरगी।

अधिकांश शिष्यों से भी जोड़ द जोड़ने की  
पर शतरा गौरा शतरा है। लेकिन लय से कपान  
है अपने शिष्यों शिष्यों से गलत  
आरगी के केंद्रा अंतरा है तथा शिष्य  
शत्रु द्वारा शिष्य में भी ऐसी प्रकार का  
दकक बनाया जा सकता है। शालीच शत्रु  
के अंतरा शिष्यों ही अधिकांश है।

